

## Rapid Fire करंट अफेयर्स (21 May)

- 20 मई को **वर्ल्ड मेट्रोलॉजी डे** के दिन से दुनियाभर में **कलिंग्राम की परभाषा** बदल गई है और नई परभाषा लागू भी हो गई है। इससे पहले कलिंग्राम को **प्लेटनिम से बने सल्लिंडर** के वजन से परभाषित किया जाता था, जिसीली **ग्रैंड** कहा जाता था। ऐसा एक सल्लिंडर पेरसिस में **इंटरनेशनल ब्यूरो ऑफ वेट्स एंड मेज़र्स** के पास 1889 से मौजूद है। अब कलिंग्राम के माप के लिये **कबिबल या वाट बैलेंस** का उपयोग किया जाएगा। क्वॉंटम फिजिक्स से संबंधित यह एक ऐसा उपकरण है जो यांत्रिक और वदियुत चुंबकीय ऊर्जा का उपयोग कर सटीक गणना करेगा। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष नवंबर में वैज्ञानिकों ने कलिंग्राम की परभाषा बदल दी थी, जिसे दुनिया के 50 से अधिक देशों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी थी। कलिंग्राम की परभाषा पर पुनर्विचार के लिये फ्रांस में वेट एंड मेज़र्स पर एक सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। कलिंग्राम की परभाषा में बदलाव से आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कलिंग्राम **अंतरराष्ट्रीय मातृक प्रणाली के सात मानकों** में से एक है।
- 21 मई को **वशिव सांस्कृतिक विविधता दविस** का आयोजन किया गया। इस दविस को **संवाद और विकास के लिये सांस्कृतिक विविधता के वशिव दविस** के रूप में भी जाना जाता है। वशिव के सभी देशों की अपनी अलग भाषा, अलग परधान और अलग-अलग सांस्कृतिक विशेषताएँ होती हैं। यह दविस पूरे वशिव में इनका प्रसार करने के लिये मनाया जाता है। आपको बता दें कि वर्ष 2001 में यूनेस्को ने 21 मई को संवाद और विकास हेतु वशिव सांस्कृतिक विविधता दविस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इस वर्ष इस दविस की थीम **Cultural and Sustainable Development** (सांस्कृतिक एवं सतत विकास) रखी गई है।
- कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय **MCA 21 पोर्टल में आर्टफिशियल इंटेलिजेंस (AI)** शामिल करने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य नयियों के अनुपालन को और अधिक सरल बनाना तथा नयियों का सामान्य प्रवर्तन नरितर स्वचालित आधार पर करना है। आपको बता दें कि MCA 21 एक **इलेक्ट्रॉनिक माध्यम** है, जिसमें कंपनियों के बारे में सभी सूचनाएँ इस पोर्टल के माध्यम से सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जाती हैं। इसके ज़रिये मंत्रालय वनियामकों, कंपनियों और नविशकों सहित सभी पक्षों तक सूचना का प्रसार करता है। इस पोर्टल का तीसरा संस्करण लगभग एक साल में लागू करने की योजना है। इस दौरान MCA 21 में AI को शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। इसके ज़रिये सभी फर्मों को युक्तिसंगत बनाने के साथ ही डेटाबेस को आपस में जोड़ा जाएगा ताकि प्रवर्तन गतिविधियाँ स्वचालित आधार पर हर समय जारी रह सकें।
- भारतीय नौसेना ने मध्यम दूरी की **सतह से हवा में मार करने वाली मसिाइल (MRSAM)** का सफल परीक्षण किया है। इस मसिाइल के सफल परीक्षण से भारत ने हवा में होने वाले युद्ध की अपनी प्रतिरोधक क्षमता में महत्वपूर्ण इज़ाफा किया है। भारतीय नौसेना के **पोतकोच्चि** और **चेन्नई** ने पश्चिमी समुद्र तट पर यह परीक्षण किया। इस मसिाइल का परीक्षण भारतीय नौसेना, DRDO और इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने मलिकर किया। DRDO ने इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के साथ मलिकर इस मसिाइल का विकास किया है तथा भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने इसका निर्माण किया है। ये मसिाइलें भविष्य में भारतीय नौसेना के सभी प्रमुख युद्धपोतों पर तैनात की जाएंगी।
- सर्च इंजन **गूगल** ने अपने पहले **‘डायरेक्ट स्पीच टू स्पीच ट्रांसलेशन सिस्टम’** का ऐलान किया है। गूगल की इस नई मौखिक संचार प्रणाली का नाम **ट्रांसलेटोट्रोन** रखा गया है। इस नई प्रणाली के तहत गूगल को बोलकर दिये गए निर्देशों का वह दूसरी ऐच्छिक भाषा में तुरंत सटीक अनुवाद करके दे सकता है। ‘ट्रांसलेटोट्रोन’ एक श्रृंखला से दूसरी श्रृंखला के नेटवर्क पर काम करता है। इसका स्रोत **‘स्पेक्ट्रोग्राम्स’** है, जो इनपुट दृश्य आवृत्तियों की पहचान करके लक्षित भाषा में अनुवाद करते हैं। गूगल के इस स्पीच ट्रांसलेटर का इस्तेमाल अधिक सुविधाजनक तो है ही, इसका अनुवाद भी ज़्यादा सटीक और सहज है। ‘ट्रांसलेटोट्रोन’ नाम का यह अनुवादक बोलने वाले व्यक्तियों की आवाज़ की विशेषताओं को भी अनुवाद के दौरान बरकरार रखता है।
- नेपाल के पर्वतारोही **कामी रीता शेरपा** ने 15 मई को **23वीं बार माउंट एवरेस्ट** पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर दुनिया की इस सबसे ऊँची चोटी पर सर्वाधिक बार चढ़ाई करने का वशिव रिकॉर्ड बनाया। कामी रीता शेरपा नेपाल के सोलुखुंबु ज़िले के थमे गाँव के रहने वाले हैं। इससे पहले कामी रीता ने 16 मई, 2018 को एवरेस्ट की चोटी पर 22वीं बार पहुँचकर इतिहास रचा था। वर्ष 2017 में कामी रीता 21 बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले तीसरे व्यक्ति बने गए थे। तब उनके अलावा अपा शेरपा और फुरबा ताशी शेरपा ने यह उपलब्धि हासिल की थी। कामी रीता ने वर्ष 1994 में 24 वर्ष की आयु में पहली बार वशिव की सर्वोच्च चोटी पर चढ़ाई की थी तब वह हर साल एवरेस्ट पर चढ़ाई करते हैं।